

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात के आणंद में सरदार पटेल यूनिवर्सिटी के 66वें दीक्षान्त समारोह को संबोधित किया

अंग्रेजों के भारत से जाने के बाद पूरी दुनिया को लगता था कि हमारा देश बिखर जाएगा, लेकिन सरदार पटेल ने सभी रियासतों को मिलाकर भारत को एक सूत्र में पिरोने का काम किया

मोदी जी ने कश्मीर से धारा 370 को समाप्त कर सरदार साहब का सपना पूरा किया है

हमें शुरूआती असफलता से निराश नहीं होना चाहिए क्योंकि हर सफलता की शुरूआत असफलता से ही होती है और असफलता पार किए बिना किसी को सफलता प्राप्त नहीं होती

मोदी सरकार की नीति Voice of Youth को सुनने, Choice of Youth को समझने, Aspirations of Youth को मंच देने और Power of Youth पर विश्वास करने की है

मोदी जी की नई शिक्षा नीति में सरदार पटेल की राष्ट्रवादी शिक्षा, गांधीजी की मातृभाषा में शिक्षा, अंबेडकर जी की Empowering की शिक्षा और श्री अरबिंदो के ज्ञान के शिक्षण को एक होलिस्टिक अप्रोच के साथ रखने का काम किया गया है

नई शिक्षा नीति में तकनीक के साथ अर्थशास्त्र, मेडिकल के साथ एथिक्स, कॉमर्स के साथ कला का अध्ययन और इन सभी में एक ह्यूमन टच का अनुभव देने का काम किया है

अब भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग और मेडिकल की शिक्षा का पाठ्यक्रम तैयार हो रहा है

मोदी सरकार के 10 सालों में FDI में बहुत वृद्धि हुई है, ग्रीन हाइड्रोजन,

इलॉक्टेक व्हीकल, अंतरिक्ष, डिफेन्स मैन्युफेक्चरिंग और ड्रोन जैसे क्षेत्रों में नई नीतियां बनाकर देश के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने का काम मोदी जी ने किया है

वायब्रन्ट गुजरात के 20 सालों में गुजरात भी औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है

आज यहां से 15,754 छात्र ग्रेज्युएट होकर निकल रहे हैं, 106 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल मिले हैं जिनमें से 62 गोल्ड मेडल छात्राओं को मिले हैं, ये बताता है कि देश के पुनर्निर्माण और विकास में महिलाएं भी बहुत बड़ा योगदान दे रही हैं

प्रविष्टि तिथि: 16 DEC 2023 8:32PM by PIB Delhi

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात के आणंद में सरदार पटेल यूनिवर्सिटी के 66वें दीक्षान्त समारोह को संबोधित किया।



इस अवसर पर श्री अमित शाह ने कहा कि अगर सरदार पटेल ना होते तो देश का अस्तित्व ही नहीं होता। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के भारत से जाने के बाद पूरी दुनिया को लगता था कि हमारा देश बिखर जाएगा, लेकिन सरदार पटेल ने सभी रियासतों को मिलाकर भारत को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। उन्होंने कहा कि विभाजन की विभीषिका और मुश्किलें सहन करने वाले लोगों से मिलने पर पता लगता है कि सरदार पटेल कौन हैं। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने पूरे देश में शरणार्थियों की चिंता और सुरक्षा की। उन्होंने

कहा कि आज जोधपुर, जूनागढ़, हैदराबाद और लक्षद्वीप अगर भारत का हिस्सा हैं तो सिर्फ सरदार वल्लभभाई पटेल के कारण है। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कश्मीर से धारा 370 को समाप्त कर सरदार साहब का सपना पूरा करने का काम किया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा, ये देखकर दुख होता है कि आजादी के बाद लंबे समय तक सरदार साहब द्वारा किए गए कार्यों को जिस प्रकार का यश, मान-सम्मान और प्रतिष्ठा मिलना चाहिए था, वो नहीं मिला। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल जैसे विराट व्यक्तित्व को भारत रत्न भी नहीं दिया गया और उन्हें सम्मान देने के हर प्रयास के रास्ते में मुश्किलें पैदा की गईं। श्री शाह ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद सरदार पटेल जी की विश्व में सबसे ऊंची प्रतिमा केवड़िया में बनाने का काम किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की ये विराट प्रतिमा गुजरात के सभी पर्यटन स्थलों में पर्यटकों को सबसे अधिक आकर्षित करने वाला स्थान है।



श्री अमित शाह ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों से कहा कि आप सब भाईकाका द्वारा स्थापित की गई सरदार पटेल यूनिवर्सिटी से शिक्षा लेकर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरदार साहब ने देश की एकता और अखंडता की नींव डालने का काम किया। उन्होंने कहा कि यहां से डिग्री लेकर जा रहे सभी छात्रों को याद रखना चाहिए कि सरदार पटेल और भाईकाका इस यूनिवर्सिटी की स्थापना के साथ जुड़े हुए हैं और छात्रों को हमेशा इन दोनों हस्तियों को याद रखना चाहिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज का यह दीक्षांत समारोह इसीलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है कि इस वर्ष हमारी आजादी के 75 साल पूरे हो गए हैं और पूरे देश ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से देशभर में हर इमारत पर तिरंगा फहराकर हमने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे सामने विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों के सामने आजादी के अमृत महोत्सव से 2047 में आजादी के शताब्दी महोत्सव तक अगले 25 साल में भारत को विश्व में हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ और सर्वप्रथम बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि ऐसे भारत की रचना करने का समय यानि आजादी का अमृतकाल 2023 से 2047 तक के 25 वर्ष हैं। श्री शाह ने कहा कि आज कई छात्र अमृतकाल के शुरुआती वर्ष में अपनी शिक्षा पूर्ण कर प्रोफेशनल करियर में आगे बढ़ रहे हैं। श्री शाह ने कहा कि आज यहां से 15,754 छात्र ग्रेजुएट होकर निकलेंगे,

106 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल मिले हैं जिनमें से 62 गोल्ड मेडल छात्राओं को मिले हैं। उन्होंने कहा कि 106 में 62 गोल्ड मेडल छात्राओं को मिलना ये बताता है कि देश के पुनर्निर्माण और विकास में पुरुषों की तरह ही महिलाएं भी बहुत बड़ा योगदान दे रही हैं।



श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हम सबसे अमृतकाल में अमृत संकल्प लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थी को अपने जीवन में छोटा सा एक संकल्प लेकर आगे बढ़ना चाहिए क्योंकि संकल्प आप के व्यक्तित्व को बनाने का काम करता है। उन्होंने कहा कि देश के 130 करोड़ लोगों के छोटे छोटे संकल्प मिलकर महान भारत की रचना करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के तहत देश के युवाओं के लिए हर क्षेत्र में नई संभावनाएं खोली हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य तय करते हुए संभव की सीमा जानने के लिए असंभव लक्ष्य रखना चाहिए, तभी संभव की सीमा को जाना जा सकता है। श्री शाह ने कहा कि हमें शुरुआती असफलता से निराश नहीं होना चाहिए क्योंकि हर सफलता की शुरुआत असफलता से ही होती है और असफलता पार किए बिना किसी को सफलता प्राप्त नहीं होती।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2047 में जिस विकसित भारत के निर्माण की कल्पना की है, ऐसे भारत के निर्माण के लिए हमें Voice of Youth, Choice of Youth, Aspirations of Youth और Power of Youth पर विश्वास रखना होगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की नीति Voice of Youth को सुनने, Choice of Youth को समझने, Aspirations of Youth को मंच देने और Power of Youth पर विश्वास करने की है। उन्होंने कहा कि भविष्य के भारत का निर्माण देश के युवाओं द्वारा हो, इस विश्वास के साथ प्रधानमंत्री जी ने कई योजनाएं शुरू की हैं। श्री शाह ने कहा कि मोदी जी ने नई शिक्षा नीति में सरदार पटेल की राष्ट्रवादी शिक्षा, गांधीजी की मातृभाषा में शिक्षा, अंबेडकर जी की Empowering की शिक्षा और श्री अरबिंदो के ज्ञान के शिक्षण को एक होलिस्टिक अप्रोच के साथ रखने का काम किया है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में तकनीक के साथ अर्थशास्त्र, मेडिकल के साथ एथिक्स, कॉमर्स के साथ कला का अध्ययन और इन सभी में एक ह्यूमन टच का अनुभव देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इन नीति के तहत भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग और मेडिकल सहित शिक्षा का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।



श्री अमित शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी जी ने कई प्रकार के नए शिक्षा संस्थानों को खोलने की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि पहले 50 देश में केन्द्रीय यूनिवर्सिटी थी, अब 56 है, उच्च शिक्षण संस्थान 51,000 थे अब 58,000 हैं, राष्ट्रीय महत्व के संस्थान 75 थे, अब 165 हैं, स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटी 316 थीं, अब 480 हैं, टेक्निकल यूनिवर्सिटी 90 थीं, अब 190 हैं और कॉलेजों की संख्या 43,000 हो गई है। श्री शाह ने कहा कि स्किलिंग, अपस्किलिंग और रिस्किलिंग के लिए भी बहुत काम किया गया है। आईटीआई में 4,000 नई सीटें बनी हैं और 11 नए आईटीआई खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि 2014 में देश में 400 स्टार्टअप थे, जो आज बढ़कर 2 लाख से अधिक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में यूनिवर्सिटी स्टार्ट अप 4 थे जो आज 111 हो गए हैं। श्री शाह ने कहा कि इन सबमें 44 प्रतिशत योगदान महिलाशक्ति का है और देश के टीयर-2 और 3 शहरों में 50 प्रतिशत से ज्यादा स्टार्ट अप हैं।



केन्द्रीय गृह मंत्रीने कहा कि नरेन्द्र मोदी जी मेक-इन-इंडिया के मंत्र के साथ PLI योजना लाए जिससे आज दुनियाभर में भारत उत्पादन का केन्द्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 10 सालों में FDI में बहुत वृद्धि हुई है। ग्रीन हाईड्रोजन, इलेक्ट्रिक व्हीकल, अंतरिक्ष, डिफेन्स मेन्युफेक्चरिंग और ड्रोन जैसे क्षेत्रों में नई नीतियां बनाकर देश के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने का काम मोदी जी ने किया है। उन्होंने कहा कि वायब्रन्ट गुजरात के 20 सालों में गुजरात भी औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है।

आरके / आरआर / पीआर / एके

(रिलीज़ आईडी: 1987271) आगंतुक पटल : 93